मेरी सफलता की कहानी

मेरा नाम संजय है और मैं बांदा, उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ। मैंने प्रयागराज से स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की और अपने सपनों को पूरा करने के लिए सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली आया।

मेरी पढ़ाई अच्छी थी, लेकिन अंग्रेज़ी मेरी कमजोरी थी, जो मेरे लक्ष्य के रास्ते में एक बड़ी चुनौती बन रही थी। इसी दौरान मुझे पुनर्जागरण समिति के अंग्रेजी स्पोकेन केंद्र आर के पुरम, नई दिल्ली के बारे में पता चला। वहाँ नियमित रूप से सीखने से मेरा अंग्रेज़ी बोलने और समझने का आत्मविश्वास बढ़ने लगा।

बाद में मुझे उसी केंद्र में बच्चों को अंग्रेज़ी पढ़ाने का अवसर मिला, जिसने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया और मुझे दूसरों के जीवन में योगदान देने की प्रेरणा दी।

आज मुझे गर्व है कि मैं दिल्ली सरकार के विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत हूँ। मैं अपनी सफलता में पुनर्जागरण समिति के योगदान के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

मेरी कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास से कमजोरी भी सफलता की ताकत बन सकती है।